आज खेल

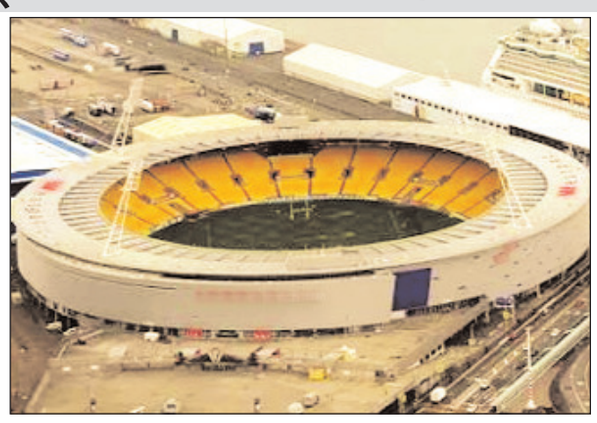
प्रयागराज, मंगलवार २७ अक्तूबर, २०२६

१०

अजेय बढ़त लेने उतरेगा भारत

भुवनेश्वर पर होंगी निगाहें, न्यूजीलैण्ड भी करना चाहेगा जीत का दीदार, तीसरा टी-२० आज

वेलिंगटन (एजेन्सियां)। बल्लेबाजों के दम पर पहले दो मैचों में जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैण्ड के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी जिसमें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी। भारत २०२० से न्यूजीलैण्ड में अजेय रहा है। उसने विराट कोहली की अगुवाई में तब न्यूजीलैण्ड को ५-० से हराया था। इसके बाद २०२२-२३ में अपने अगले दौरे में भारतीय टीम ने एकमात्र ऐसा मैच जीता जो खराब मौसम से प्रभावित नहीं हुआ था जबकि शृंखला का निर्णायक मैच टाई रहा था। अब श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम सुनिश्चित करना चाहेगी कि जसप्रीत बुमराह (जिन्हें आराम दिया गया है) और हार्दिक पंड्या (जो लंबे समय से चोट के कारण बाहर हैं) की अनुपस्थिति के बावजूद उनका अजेय रेकार्ड बरकरार रहे। क्राइस्टचर्च में खेले गये शुरुआती दो मैचों में बड़े लक्ष्य हासिल करने के बाद टीम निश्चित रूप से सही राह पर दिख रही है। भारत के लिए हालांकि चुनौती आसान नहीं है क्योंकि न्यूजीलैण्ड की टीम वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी और इसके अलावा यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना भी आसान नहीं होगा। भारतीय टीम को तीन तरफ से खुले बेसिन रिजर्व ग्राउंड पर अक्सर चलने वाली तेज हवाओं से निबटना होगा। क्या इस तरह की परिस्थितियों को देखते हुए अंतिम एकादश में कोई रणनीतिक बदलाव किया जायेगा इस बारे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कोई खुलासा नहीं किया लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर को बिना दबाव में आये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लय हासिल करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में ४९ और ५० रन



लुटाये। भुवनेश्वर को हालांकि बेसिन रिजर्व की परिस्थितियां रास आ सकती हैं। उन्हें अर्शदीप के रूप में एक भरोसेमंद साथी मिलेगा जो दोनों तरफ स्विंग करने की अपनी क्षमता से न्यूजीलैण्ड के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों फिन एलन, टिम सीफर्ट और डैरिल मिचेल के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है और जैसे-जैसे शृंखला आगे बढ़ रही है उन पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है। न्यूजीलैण्ड की तरफ से मध्यक्रम में ग्लेन फिलिप्स ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने पहले दोनों मैच में अर्द्धशतक बनाया। पिछले मैच में बेवन जैकब्स ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। भारत ने पहले दो मैचों में १३ खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया है। चोटिल ईशान किशन की जगह वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया गया और दूसरे मैच में डेथ ओवरों के विशेषज्ञ प्रिंस यादव ने मयंक यादव की जगह ली। न्यूजीलैण्ड में अभी गर्मियों की शुरुआत है और ठंडी और हवादार परिस्थितियों में शाम का मैच भारतीय बल्लेबाजों की भी परीक्षा ले सकता है जो सीधी लाइन में शाट लगाना पसंद करते हैं। न्यूजीलैण्ड की तेज गेंदबाजों के लिए कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत लाकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी की अनुपस्थिति भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। न्यूजीलैण्ड ने इन दोनों की जगह पर मैट फिशर और ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन हवा और ठंड के उतार-चढ़ाव से कैसे निबटते हैं। १५ वर्षीय सूर्यवंशी के लिए इस तरह की परिस्थितियां निश्चित रूप से उन्हें एक बेहतर खिलाड़ी बनाने में बहुत मददगार साबित होंगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर की तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी को मध्यक्रम में इस्तेमाल करने की रणनीति पहले दो मैचों में कारगर साबित हुई है लेकिन गेंदबाजी के मामले में भारत अभी अपनी कमियों को दूर नहीं कर पाया है। **भारत**-श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन , अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, नमन धीर, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, कुमार कुशाग्र, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव। **न्यूजीलैण्ड**-फिन एलन, टिम सीफर्ट , बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कानवे, मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, मैट फिशर, काइल जैमीसन, जैकब डफी, एडम मिल्ने, जोश क्लार्कसन। **समय**-दोपहर १२.३० बजेसे।

मुम्बई और दिल्ली पहले ही दिन फ्रंटफुट पर

रणजी ट्राफी



मुम्बई/रांची (एजेन्सियां)। अंगकृष रघुवंशी (११४) और मुशीर खान (१०९) के शानदार शतक की मदद से मुम्बई ने सोमवार को यहां हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन तीन विकेट पर २९० रन बनाकर मजबूत स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिये। रघुवंशी ने अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक जड़ा जबकि मुशीर ने टूर्नामेंट में तीसरी बार ५० से अधिक रन की पारी खेली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए २०८ रन की साझेदारी करके मुम्बई की पारी को मजबूती दी। मुम्बई को दिव्यांश सक्सेना (१०) के जल्दी आउट होने से शुरुआती झटका लगा लेकिन सलामी बल्लेबाज रघुवंशी और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मुशीर ने तेज गर्मी और उमस के बीच शानदार शतक लगाकर मेजबान टीम को संभाल लिया। रघुवंशी ने १८० गेंद का सामना करते हुए १३ चौके और एक छक्का जड़ा जबकि मुशीर ने १८५ गेंद की अपनी पारी में चौके और एक छक्का लगाया। दिन का खेल समाप्त होने पर कप्तान सिद्धेश लाड २९ और सरफराज खान २० रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। रांची में शानदार फार्म में चल रहे कप्तान आयुष बडोनी के लगातार दूसरे शतक से दिल्ली ने ग्रुप सी मुकाबले के पहले दिन झारखंड के खिलाफ पांच विकेट पर ३०९ रन बना कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। टास जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की टीम एक समय १९१ रन तक पांच विकेट गंवा चुकी थी लेकिन बडोनी (नाबाद १०६) ने आलराउंडर सुमित माथुर (नाबाद ५०) के साथ छठे विकेट के लिए १२८ रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। न्यूजीलैण्ड दौरे के लिए भारत ए टीम में जगह नहीं बना पाने वाले बडोनी ने अपनी पिछली तीन पारियों में ८५, २१७ और नाबाद १०६ रन बनाये हैं। उन्होंने अपनी पारी में अब तक ११ चौके और दो छक्के लगाये हैं। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत की। प्रियांश आर्य (३९) और सनत सांगवान (३७) ने नयी गेंद का सामना करते हुए पहले विकेट के लिए ५६ रन जोड़े। आर्य के आउट होने के बाद सांगवान और यश धुल (२९) ने दूसरे विकेट के लिए ४३ रन की साझेदारी की। आयुष दोसेजा (२३) और अनुज रावत (१८) भी सस्ते में आउट हो गये जिसके बाद बडोनी और माथुर ने पारी को संभाला। आफ स्पिनर प्रत्युष ने दो विकेट लिए। इंदौर में भारतीय टीम के आफ स्पिनर सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात विकेट झटके जिससे मध्य प्रदेश ने ग्रुप ए मुकाबले में बिहार की पहली पारी महज ९९ रन पर समेट दी। बिहार के लिए मंगल महरौर ने सर्वाधिक ४२ रन बनाए। उनके अलावा नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूरज कश्यप (१५) ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। जवाब में मध्य प्रदेश ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर २६१ रन बना लिए जिससे उसने पहली पारी के आधार पर १६२ रन की बढ़त हासिल कर ली। सक्षम पुरोहित नाबाद ११३ रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि उनके सलामी जोड़ीदार यश दुबे ने ८४ रन की पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान रजत पाटीदार २१ रन बनाकर पुरोहित का साथ दे रहे थे। वहीं वडोदरा में खेले जा रहे ग्रुप के एक अन्य मुकाबले में प्रियांशु मोलिया (११३) के शतक की मदद से बड़ौदा ने गत चैम्पियन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ छह विकेट पर २५९ रन बना लिए। पुडुचेरी में खराब मौसम के कारण केवल ३७ ओवर का ही खेल हो सका जिसमें उत्तर प्रदेश ने पुडुचेरी के खिलाफ चार विकेट गंवाकर ६७ रन बनाये थे। चेन्नई में जुबैर अली की ७५ रन की पारी और हिमांशु सांगवान के साथ दसवें विकेट के लिए उनकी ६१ रन की साझेदारी के बावजूद तमिलनाडु के खिलाफ रेलवे की टीम पहली पारी में १८४ रन पर आउट हो गयी। इसके जवाबमें तमिलनाडु ने दिन का खेल खत्म होने तक तीन विकेट पर ७१ रन बना लिए थे और वह पहली पारी के आधारपर ११३ रनसे पीछे है।

चैम्पियन भारत खिताब का होगा प्रबल दावेदार



एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हाकी
बंगलादेश की होगी चुनौती

जालंधर (एजेन्सियां)। पांच बार की चैम्पियन और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम मंगलवार से यहां शुरू होने वाले छह देशों के एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) हाकी टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जहां उसका पहला मुकाबला बांग्लादेश से होगा। इस टूर्नामेंट से १७ साल के बाद पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हाकी की भी वापसी होगी। यह राज्य कई दशकों से भारतीय हाकी का केंद्र रहा है और आज भी टीम के आधे से अधिक खिलाड़ी यहीं से आते हैं लेकिन इससे पहले यहां आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय हाकी टूर्नामेंट २००९ में गोल्ड कप के रूप में खेला गया था। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों का अपने राज्य में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। हरमनप्रीत पहले ही कह चुके हैं कि स्टैंड में अपने परिवार को देखना उनके लिए बेहद खुशी का पल होगा। हालांकि अभ्यास सत्र के दौरान पिंडली में चोट लगने के कारण मनप्रीत सिंह पहले मैच में नहीं खेल पायेंगे। उनकी जगह विवेक सागर प्रसाद को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन भी पंजाब में खेलने को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा हम घरेलू दर्शकों से मिलने वाले जोश और ऊर्जा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भारतीय टीम मौजूदा चैम्पियन है और वह विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर है जो इसमें भाग लेने वाली टीमों में सर्वोच्च है। भारत ने सर्वाधिक पांच बार २०११, २०१६, २०१८, २०२३ और २०२४ में खिताब जीता है। भारतीय टीम सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से हटने वाले पाकिस्तान की जगह लेने वाले बांगलादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और फिर २९ अक्तूबर को चीन, ३० अक्तूबर को जापान, एक नवम्बर को मलयेशिया और दो नवम्बर को कोरिया के खिलाफ खेलेगी। प्रतियोगिता के लीग चरण से शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल और फाइनल चार और पांच नवम्बर को मोहाली में खेले जायेंगे। भारत ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है और कुछ मामूली बदलाव किये हैं। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने मोहित एचएस की जगह ली है जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लाकड़ा और मिडफील्डर आदित्य लालागे को राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करने का मौका मिला है। चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के नहीं होने के कारण भारत के लिए टूर्नामेंट में सबसे बड़ा खतरा मलयेशिया होगा जो एक ऐसी टीम है जिसने अतीत में अक्सर भारतीय टीम को परेशान किया है। एशियाई खेलों के फाइनल में भारत ने भले ही उसे ५-१ से हराया हो लेकिन हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम मलयेशिया को हल्के में लेने की गलती नहीं कर सकती। कोरिया का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है लेकिन उसमें भारत को हराने की क्षमता है। हाल ही में एशियाई खेलों में हुए मुकाबले में उन्होंने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिर में ०-२ से हार गये। भारतीय टीम के चार सीनियर खिलाड़ियों मनदीप सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांत शर्मा के लिए यह टूर्नामेंट भावनाओं से भरा होगा क्योंकि सूत्रों के अनुसार वह देश की तरफ से आखिरी बार खेलते हुए नजर आयेंगे।

मुक्केबाजी : आदित्य फाइनलमें

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। आदित्य ने मोंटेनेग्रो के बुडवा में चल रही विश्व मुक्केबाजी अंडर-१९ चैम्पियनशिप के पुरुषों के ५५ किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में अजरबेजान के निहात गासिमोव को हराकर फाइनल में जगह बनायी और इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने। एशियाई अंडर-१९ चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता आदित्य ने तीनों राउंड में दबदबा बनाए रखा और जजों ने उनके पक्ष में ५-० का फैसला सुनाया। अब स्वर्ण पदक के मुकाबले में उनका सामना रूस के इस्लाम मागोमेदोव से होगा। इससे पहले मेघा श्योकंद ने महिला ८० किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में किर्गिस्तान की मेरिम चिनीबेकोवा को आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के आधार पर हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले महिला ६५ किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हर्षिका ने अमेरिका की लारिन एलमोर को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें २-३ से हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें कांस्य पदक मिला। प्राची टोकस को भी महिला ८० किग्रा से अधिक भार वर्ग के सेमीफाइनलमें हारने के बाद कांस्य पदक मिला।

भारतके पास गेंदबाजोंके कार्यभार प्रबंधनकी अचूक योजना

-मोर्ने मोर्कल

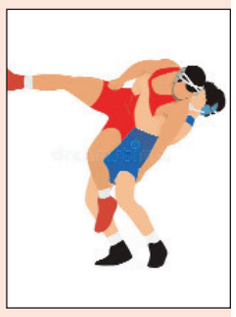


वेलिंगटन (एजेन्सियां)। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सोमवार को कहा कि कि भारत के पास गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन के लिए 'अचूक' योजना है और वह न्यूजीलैण्ड के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए वैकल्पिक गेंदबाजों को भी रखने पर विचार कर रहा है जिसमें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। भारतीय टीम प्रबंधन ने अपने गेंदबाजों के लिए यह योजना तैयार की है ताकि उन्हें यहां पांच टी-२० अंतरराष्ट्रीय, पांच एकदिनी और दो टेस्ट मैचों वाले इस दौरे के व्यस्त कार्यक्रम से निबटने में मदद मिल सके। मोर्कल ने यहां तीसरे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा हम गेंदबाजों का एक ऐसा समूह तैयार कर रहे हैं जिन्हें हम व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए बैकअप के तौर पर रखना चाहेंगे। जैसे-जैसे समय करीब आयेगा और हमें साल के इस समय की परिस्थितियों का बेहतर अंदाजा हो जायेगा। तब हमारे पास अपनी गेंदबाजी इकाई की संरचना को लेकर स्पष्ट तस्वीर होगी। सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ अर्शदीप ने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने में माहिर है और इसलिए वह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लिए दावेदार बने हुए हैं। मोर्कल ने कहा हमारे दिमाग में गेंदबाजों का एक अच्छा समूह है जो प्रत्येक तरह की परिस्थितियों में कारगर साबित हो सकता है और निश्चित रूप से अर्शदीप इसका हिस्सा हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमेशा कड़ी मेहनत करता है और हर कसौटी पर खरा उतरता है इसलिए अगर उसे लाल गेंद से गेंदबाजी करने की जरूरत पड़ी तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारत अपने मौजूदा न्यूजीलैण्ड दौरे में पांच टी-२० मैच की शृंखला खेल रहा है। इसके बाद पांच मैच की एकदिनी शृंखला होगी। इसके चार दिन बाद १९ नवम्बर से दो टेस्ट मैच की शृंखला खेली जायेगी। तेज गेंदबाजों को कवर के तौर पर टीम में बनाये रखने का फैसला दौरे से महीनों पहले तैयार की गयी दीर्घकालिक कार्यभार प्रबंधन रणनीति का हिस्सा है। मोर्कल ने कहा प्रत्येक गेंदबाज को पता है कि उससे कार्यभार और गेंदबाजी के मामले में क्या अपेक्षा की जाती है। कुछ खिलाड़ी लाल गेंद की क्रिकेट की तैयारी के लिए भारत ए टीम की तरफ से खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ट शृंखला से पहले गेंदबाजों को मैच अभ्यासके लिए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान रोटेट किया जायेगा जिससे वे थकान के जोखिम के बिना धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ा सकें।

आर्यन को तीसरा स्थान

वाराणसी। वाराणसी के आर्यन वर्मा ने शतरंज की विसात पर बौद्धिक श्रेष्ठता का परिचय देते हुए गाजियाबाद में हुई राज्यस्तरीय शतरंज चैंपियनशिप में नौ चक्र के पश्चात ७.५ अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ आर्यन ने २९ नवम्बर से नौ दिसम्बर तक वाराणसी के सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल बाबतपुर में होने वाली राष्ट्रीय शतरंजशिप के लिए क्वालिफाई कर लिया। साथ ही आर्यन राष्ट्रीय टीम शतरंज चैम्पियनशिप में भी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। आर्यन की इस उपलब्धि पर वाराणसी शतरंज असोसिएशन के अध्यक्ष दीपक कुमार बजाज, उपाध्यक्ष विजय कुमार, महासचिव तुषार सारस्वत ने बधाई दी।

भारत के ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी



अस्ताना (एजेन्सियां)। भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवानों का विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा तथा एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता सुनील कुमार सहित तीन पहलवानों को यहां अपने-अपने भार वर्ग में पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। हाल में दो एशियाई खेलों के पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय पहलवान बने सुनील से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन निष्क्रियता के लिए 'पार टेरे' स्थिति में डाले जाने के बाद उन्हें ८७ किलोग्राम वर्ग के इस मुकाबले में नार्वे के एक्सौस मुकुबू से तकनीकी श्रेष्ठता (०-९) से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला पूरे एक राउंड भी नहीं चला जिससे भारतीय खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन का पता चलता है। भारत के अन्य खिलाड़ियों में साहिल (६३ किलोग्राम) और सचिन सहरावत (६७ किलोग्राम) भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। साहिल क्वालीफाइंग राउंड में बुल्गारिया के एडमंड आर्मेन नाजारियन से ०-७ से जबकि सहरावत दक्षिण कोरिया के हांजे चुंग से ५-६ से हार गये। इस प्रतियोगिता में ललित ही पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। उन्हें ५५ किलोग्राम वर्गमें कांस्य पदक के प्लेआफ में हार का सामना करना पड़ा।

पड़िक्कल दोहरे शतक से चूके, भारत 'ए' ने की वापसी

अनौपचारिक टेस्ट

लिंकन (एजेन्सियां)। देवदत्त पडिक्कल भले ही विवादास्पद फैसले से दोहरे शतकसे चूक गये लेकिन उनकी १९९ रनकी शानदार पारीसे भारत ए ने शानदार वापसी करके न्यूजीलैण्ड ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट मैचमें अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली। भारत ए ने तीसरे दिनका खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में आठ विकेटपर ४८८ रन बनाये हैं और २८४ रन की बढ़त हासिल कर ली। भारतीय टीम पहली पारी ने ११३ रन पर सिमट गयी थी जिसके जवाबमें न्यूजीलैण्ड ए ने ३१७ रन बना कर २०४ रन की बढ़त हासिल की थी। पडिक्कल उस समय दोहरे शतकसे चूक गये जब उन्हें मध्यम गतिके गेंदबाज जैक गिब्सन की गेंद पर लेग साइड में विकेट के पीछे कैच आउट दिया गया। जब अम्पायरने उंगली उठाई तो पडिक्कल हैरान रह गये और उन्होंने हाव-भाव से यह जताने की कोशिश की कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी। वे वहीं अवाक खड़े रहे और फिर डगआउट की ओर चले गये। इस मैच में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) या स्निकोमीटर का उपयोग नहीं किया जा रहा है और इसलिए पडिक्कल के पास वापस जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। पडिक्कल ने अपनी पारी में २४८ गेंदों में २३ चौके और तीन छक्के लगाये। श्रीलंका में लगातार दो टेस्ट शतक लगाने के बाद पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की शृंखला से पहले टीम प्रबंधन ने फिट हो चुके साई सुदर्शन को भी आजमाना चाहा जिन्होंने प्रभावशाली ९१ रन बनाये। उन्होंने पडिक्कल के साथ तीसरे विकेट के लिए २१० रन की साझेदारी की। सुदर्शन ने अपनी १८४ गेंदों की पारी में १२ चौके लगाये। पडिक्कल को यश राठौड़ (६६) के रूप में अच्छा सहयोगी



मिला। इन दोनों ने १४२ रन की साझेदारी की। जब पडिक्कल और राठौड़ आउट हुए तब भारत की बढ़त १६५ रन थी लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद ५१) ने अंशुल कंबोज (२३) के साथ ४१ रन की साझेदारी की और फिर औकिब नबी (३८) के साथ ६९ रन और जोड़े जिससे भारत का स्कोर आठ विकेट पर ४८८ रन पहुंच गया।।

सिंधू और लक्ष्य सेन पर रहेंगी नजरें



जर्मनी (एजेन्सियां)। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे हाइलो ओपन २०२६ बैडमिण्टन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। सिंधु पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थीं और अब वह जर्मनी में अपनी अच्छी फार्म जारी रखना चाहेंगी। वहीं लक्ष्य सेन के लिए यह टूर्नामेंट मौजूदा सत्र में वापसी का अहम मौका होगा। दुनिया की ११वें नंबर की खिलाड़ी और टूर्नामेंट की दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन के फाइनल में दक्षिण कोरिया की एन से-यंग से हार गयी थीं। एन से-यंग मौजूदा ओलम्पिक और विश्व चैम्पियन हैं। फाइनल में हार के बावजूद सिंधु का प्रदर्शन इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अच्छा रहा है। उनकी नजरें अब हाइलो ओपन में एक और मजबूत प्रदर्शन करने पर होंगी। इस साल कोरिया मास्टर्स का खिताब जीतने वाली अश्मिता चालिहा ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पिछले गुरुवार को तीन बार की विश्व चैम्पियन जापान की अकाने यामागुची को दूसरे दौर में हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। दूसरी ओर देविका सिहाग को शुरुआती दौर में कठिन चुनौती का सामना करना होगा। उनका मुकाबला

हाइलो ओपन बैडमिण्टन

दुनिया की आठवें नंबर की थाईलैण्ड की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा जो टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। पुरुष एकल वर्ग में पूर्व चैम्पियन लक्ष्य सेन भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। हालांकि उनके लिए यह सत्र अब तक निराशाजनक रहा है। पिछले सप्ताह पेरिस में उन्हें शुरुआती दौर में वाकओवर स्वीकार करना पड़ा था। इसके अलावा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के पिछले सात टूर्नामेंटों में से छह में उन्हें पहले दौर में ही बाहर होना पड़ा। ऐसे में लक्ष्य की कोशिश हाइलो ओपन में अपनी लय हासिल करने और बेहतर नतीजे दर्ज करने की होगी। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने हाइलो ओपन के पुरुष युगल वर्ग से हटने का फैसला किया है।

कराटे : वाराणसी को दो स्वर्ण सहित सात पदक

वाराणसी। वाराणसी के खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का परिचय देते हुए लखनऊ में खेली जा रही कराटे प्रतियोगिता में दो स्वर्ण सहित सात पदक जीते। कोच आचल पाल, खुशी यादव और शीतल सिंह के प्रशिक्षण में राजबीर सिंह और प्रत्युष सिंह ने जहां स्वर्ण पदक हासिल किया, वहीं सूर्यांश यादव, दिव्यांश विश्वकर्मा और श्रेयांश तिवारी रजत पदक लाने में सफल रहे। सूर्यांश और आदित्य मोहन को कांस्य पदक मिला। राज्य कराटे संघ के महासचिव क्योशी, जशपाल सिंह और जिले कराटे संघ के महासचिव दिलीप कुमार सैनी ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

न्यूजीलैण्ड ए के खिलाफ खेल सकते हैं बुमराह, पंत

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैण्ड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में खेल सकते हैं जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के भी सात नवम्बर से लिंकन में शुरू होने वाले इस मुकाबले की अंतिम एकादश में जगह बनाने की संभावना है। दोनों खिलाड़ी फिलहाल बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में अभ्यास कर रहे हैं। पंत शुक्रवार को यहां पहुंचे थे जबकि बुमराह सोमवार को पहुंचे। रिपोर्ट के अनुसार बुमराह का सीओई दौरा न्यूजीलैण्ड के लिए एक नवम्बर को रवाना होने से पहले किसी भी शृंखला में खेलने के लिए सभी खिलाड़ियों की अनिवार्य 'वापसी से खेल प्रक्रिया' की शर्तें पूरी करने के उद्देश्य से है। बुमराह इस महीने की शुरुआत में जापान में भारत के एशियाई खेलों के अभियान का हिस्सा थे जिसमें टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। उन्हें वेस्टइण्डीज के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की शृंखला के अलावा न्यूजीलैण्ड दौरे पर जारी टी-२० अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय मुकाबलों से भी आराम दिया गया था। पंत अक्तूबर की शुरुआत में ईरानी कप के दौरान चोट का शिकार हो गये थे। उस मुकाबले में उन्होंने शेष भारत टीम की कप्तानी की थी जिसने जम्मू-कश्मीर को हराया था। इस चोट के कारण पंत दिल्ली के रणजी ट्राफी के शुरुआती मुकाबले और न्यूजीलैण्ड ए के खिलाफ पहले दो चार दिवसीय मैचों में भी नहीं खेल सके। रिपोर्ट के अनुसार पंत ने सीओई में हल्का अभ्यास फिर से शुरू कर दिया है जिसमें बल्लेबाजी की ड्रिल भी शामिल हैं, लेकिन उन्होंने अभी विकेटकीपिंग शुरू नहीं की है। पंत की गैरमौजूदगी में झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शुरुआती दो मैच के लिए टीम में शामिल किया गया था। झारखंड के कप्तान कुशाग्र को जारी टी-२० अंतरराष्ट्रीय शृंखला में ईशान किशन के विकल्प के तौर पर भी चुना गया है। किशन दाएं पैर की मांसपेशी में खिंचाव के कारण चोटिल हो गये थे। बुमराह और पंत दोनों को न्यूजीलैण्ड के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह शृंखला १९ से २३ नवम्बर तक वेलिंगटन और २७ नवम्बर से एक दिसम्बर तक क्राइस्टचर्च में खेली जायेगी।

वुल्फ ताइक्वांडो अकादमी चैम्पियन

वाराणसी। वुल्फ ताईक्वांडो अकादमी ने यहां कमलाकर चौबे आदर्श सेवा विद्यालय ईश्वरगंगी में हुई अंतर जिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता में चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। युनिवर्सल मार्शल आर्ट इंस्टीट्यूट दूसरे तथा युवा ताइक्वांडो अकादमी तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के पश्चात मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंक मिश्र दयालु ने पुरस्कार वितरित किये। इस मौके पर प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, राजेन्द्र त्रिवेदी, श्रीप्रकाश यादव, शुभम मौर्य, शिवाकर चौबे, सृष्टि सोनकर, सृष्टि गुप्ता, अशीश प्रताप सिंह, मनीष कुमार सिंह, अरविन्द यादव, अशीष राय, रंजय तिवारी, दीक्षा पटेल, अंशिका सेठ, चंद्रभान पटेल आदि मौजूद रहे।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026

मेष-	मानसिक शांति, सलाह से कामयाबी, मानसम्मान की प्राप्ति, नवीन उपलब्धि, खुशी भी।
वृषभ-	आज रात्रि 9/07 बजे तक कार्यों में बाधा, तदनन्तर वातावरण सुखद, धर्म में आस्था, यात्रा सार्थक।
मिथुन-	आज रात्रि 9/07 बजे तक सम